University in News on 17 August 2021

University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष
100 Years 1920-2020

TOI PAGE 5

JOY OF 75 YEARS OF FREEDOM

NBT PAGE 7

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
University of Lucknow, Lucknow

विज्ञापन संख्या- R/06/21/SF | दिनांक: 29.07.2021

विज्ञापन

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों/संस्थानों में संचालित स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत आचार्य, सह आचार्य तथा सहायक आचार्य (संविदा) एवं निदेशक (संविदा), प्रबन्धन विज्ञान संस्थान (स्ववित्तपोषित) के पदों पर नियुक्ति/चयन हेतु भारतीय नागरिकों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। विस्तृत विज्ञापन तथा आवेदन पत्र दिनांक 31.07.2021 से विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.lkouniv.ac.in में CAREERS Menu पर अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध रहेगा। **ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की अन्तिम तिथि 20.08.2021** है। पूर्व में निर्गत विज्ञापन संख्या आर0/03/2020 दिनांक 27.10.2020 को निरस्त किया जाता है।

नोट:- ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने विज्ञापन संख्या आर0/03/2020 दिनांक 27.10.2020 में जिस श्रेणी के सापेक्ष आवेदन किया था, उन्हें उसी श्रेणी हेतु उपलब्ध पद हेतु पुन: आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। तथापि यदि वे चाहें तो पूर्व आवेदित आवेदन पत्र में संशोधन कर सकते हैं।

कुलसचिव

TOI PAGE 7

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
University of Lucknow, Lucknow

Advertisement No. R/06/21/SF | **Date: 29.07.2021**

Advertisement

Online applications from Indian Citizens are invited for the post of Professor, Associate Professor and Assistant Professor (On Contract) in various Self Financed Programs run under the different Departments/Institutions of the University and Director (On Contract) in the Institute of Management Sciences (Self Finance), University of Lucknow, Lucknow. The detailed advertisement and submission of application form shall begin from 31.07.2021. Applicants are advised to visit CAREERS menu of the website www.lkouniv.ac.in for detailed advertisement and Application Form. Last date for submission of Online Application Form is 20.08.2021. Advt. No. R/03/2020 dated 27.10.2020 is cancelled herewith.

NOTE: Applicants who had applied under a specific category against Advt.No. R/03/2020 dated 27.10.2020, need not to apply again under that very category. However they can amend their application form if needed.

Registrar

JAGRAN CITY PAGE I

पटरी पर पढ़ाई | कुलपति ने किया विभागों का निरीक्षण, छात्र-छात्राओं को कोविड प्रोटोकाल के अनुसार बिठाया

लखनऊ विश्वविद्यालय खुला, 25% उपस्थिति

जागरण संवाददाता, लखनऊ : कोरोना की वजह से बंद हुआ लखनऊ विश्वविद्यालय छात्र-छात्राओं के लिए चार महीने बाद सोमवार से खुल गया। पहले दिन स्नातक व परास्नातक कक्षाओं में सुबह की पाली में उपस्थिति कम रही। भौतिक विज्ञान, दर्शन शास्त्र, शिक्षा शास्त्र, डिफेंस स्टडीज सहित कई विभागों में बहुत कम विद्यार्थी पहुंचे, फिर भी शिक्षकों ने कक्षाएं लीं।

छात्र-छात्राओं को भी कोविड प्रोटोकाल के अनुसार बैठाया गया। इससे पहले गेट पर कर्मचारियों ने विद्यार्थियों के हाथों को सैनेटाइज कराकर अंदर जाने दिया। अर्थशास्त्र विभाग में सुबह 8.25 मिनट पर शिक्षिका पढ़ाने के लिए भी मौजूद थीं, लेकिन विद्यार्थी नहीं आए। भौतिक विज्ञान विभाग में शिक्षक ओंकार प्रसाद अपनी कक्षा में पढ़ाते नजर आए। रक्षा अध्ययन विभाग में पांचवें सेमेस्टर की कक्षा में सिर्फ पांच छात्र-छात्राएं आए। शिक्षकों ने उन्हें कक्षाओं के शेड्यूल और सिलेबस के बारे में बताया। शिक्षा शास्त्र में बीएड, एमएड की पढ़ाई शुरू हो गई। प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग में छात्रों की संख्या कम थी। सुबह 11.10 बजे पहली कक्षा प्रोफेसर प्रशांत श्रीवास्तव ने ली। यहां 17 विद्यार्थी उपस्थित रहे। कला एवं शिल्प महाविद्यालय के ललित कला विभाग में छात्र संख्या कम रही। किसी विभाग में छह तो कहीं सात छात्र ही आए। कक्षाओं का हाल जानने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय भी विभागों में पहुंचे। जियोलाजी, जूलाजी और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में छात्र संख्या कम रही। जो भी विद्यार्थी आए, उनकी कक्षाएं हुईं।

श्री जय नारायण मिश्र महाविद्यालय (केकेसी) में भी आफलाइन पढ़ाई भी शुरू हो गई। पहले दिन कला, विज्ञान, वाणिज्य, विधि, बीएड एवं बीपीएड में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति 50 प्रतिशत तक रही।

भौतिक विज्ञान की क्लास में छात्र-छात्राओं को पढ़ाते प्रो. ओंकार प्रसाद • जागरण

> विश्वविद्यालय तैयारी के साथ खुल गया है, लेकिन पहले दिन सुबह 25 फीसद विद्यार्थी ही उपस्थित रहे। गेट पर सैनेटाइजर सहित सभी व्यवस्थाएं की गई हैं।
>
> – प्रो. दिनेश कुमार, चीफ प्राक्टर, लवि

> छात्रों की उपस्थिति के अनुसार आनलाइन कक्षाएं चलाने का निर्णय विभाग स्वयं करेंगे।
>
> – डा. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता, लवि